

LIBRERIA é IMPRENTA GIL

Primer Premio Exposición de Paris 1900

CALLE DE LAMPA (BANCO DEL HERRADOR) Nos. 569, á 579

Lima, 25 de Marzo de 1912.

CUENTA DE VENTA

libros en consignación de 1 Sr. Ricardo Palma

de el 10 de Octubre de 1911 hasta el día de la fecha

Comisión --- %.

TITULOS	Existencia			Total	Existencia			Total
	10/10/11	11/7/12	12/11		23/3/11	Vendidos	Precio NETO	
							Lp.	Lp.
Cachivaches	5	---	---	5	3	2	-.160	-.320
Recuerdos España	4	---	---	4	2	2	-.160	-.320
Memorias Zapata	4	---	---	4	4	---	-.240	-.840
Mendiburu-Apuntos Hists.	3	---	---	3	3	---	-.080	-.240
Papeletas Lexicogr.	3	---	---	3	3	---	-.160	-.480
Tradiciones y Artículos	5	---	---	5	5	---	-.160	-.800
Tradiciones Peruanas 5 Tms	6	---	---	6	1	5	2.---	10.---
Tradiciones Peruanas 4 Id	2	---	---	2	---	2	1.600	3.200
Apéndice Tradiciones	---	30	---	30	13	17	-.400	6.800
Unamuno--Mi religión	1	---	---	1	1	---	-.120	-.120
Calderon-Palabras	1	---	---	1	1	---	-.160	-.160
Cuentos Laura Cuenca	1	---	---	1	1	---	-.120	-.120
Suegra Tarquino	1	---	---	1	1	---	-.120	-.120
Poetas Bolivianos	1	---	---	1	1	---	-.120	-.120
Tardes Sanatorio	1	---	---	1	1	---	-.120	-.120
Memorias Kuropakín	1	---	---	1	1	---	-.160	-.160

p. Librería é Imprenta Gil

Sp. 20.640

S.E. á O.

17